एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

विक्रम संवत 2083 | बरेली | सोमवार, 6 जुलाई 2026, व

शिक्षा व्यवस्था की खामियों पर किया प्रहार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : एसआरएमएस रिद्धिमा में परीक्षा प्रणाली की विसंगतियों और प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़ती अनियमितताओं पर आधारित नाटक 'धांधली' का मंचन हुआ। डॉ. प्रभाकर गुप्ता की कथा पर आधारित इस नाटक का नाट्य रूपांतरण अश्वनी कुमार ने और निर्देशन विनायक कुमार श्रीवास्तव ने किया।

नाटक ने युवाओं के टूटते सपनों और कोचिंग संस्थानों, भ्रष्ट तंत्र व अधिकारियों की मिलीभगत को बेहद मार्मिक ढंग से दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया। कहानी तीन दोस्तों माधव, मोहन और रवीना के इर्द-गिर्द घूमती है, जो नीट की तैयारी कर रहे हैं। नाटक दिखाता है कि कैसे कोचिंग संचालक और भ्रष्ट

एसआरएमएस रिद्धिमा में नाटक का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

● एसआरएमएस रिद्धिमा में नाटक 'धांधली' का मंचन किया गया

अधिकारी निजी स्वार्थ के लिए पेपर लीक जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। वर्षों की मेहनत के बाद जब परीक्षा रद्द होती है, तो मेधावी छात्र माधव निराश होकर आत्महत्या कर लेता है। उसके माता-पिता के नाम लिखा पत्र नाटक का सबसे मार्मिक दृश्य बनकर उभरा। इसके बाद टीवी डिबेट्स में केवल आरोप-प्रत्यारोप होते हैं, नतीजा शून्य रहता है। अंत में यह प्रस्तुति शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करते हुए समाज से गंभीर प्रश्न पूछती है। प्रस्तुति में भ्रष्ट तंत्र, अधिकारियों, मीडिया और राजनीति पर तीखा व्यंग्य करते हुए शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी की आवश्यकता रेखांकित की गई। दर्शकों ने कलाकारों के अभिनय और सामाजिक सरोकार से जुड़े विषय की सराहना की। विनायक कुमार श्रीवास्तव राकेश मनोज शर्मा, ज्योति, सोनालिका सक्सेना, सूर्यकान्त चौधरी, शिवम मौर्य, सुबोध शुक्ल, अरुण सैनी, जाफर, जसवंत सिंह आदि मौजूद रहे।